P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-7* ISSUE-9* May- 2020
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

राजस्थान की औद्योगिक नगरी भिवाड़ी में औद्योगिक एवं नगरीय विकास (1981-2011)

Industrial and Urban Development in Bhiwadi, an Industrial City of Rajasthan (1981-2011)

Paper Submission: 10/05/2020, Date of Acceptance: 26/05/2020, Date of Publication: 30/05/2020

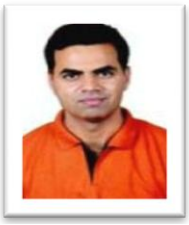

भरत सिंह
शोध छात्र,
भूगोल विभाग,
राजस्थान विश्वविद्यालय,
जयपुर, राजस्थान, भारत

नरेन्द्र सिंह यादव
एसोसियेट प्रोफेसर,
भूगोल विभाग,
बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय,
अलवर, राजस्थान, भारत

सारांश

प्रस्तुत पत्र में उद्योगों से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं पर विचार करते हुये औद्योगीकरण का आधारभूत ढांचे पर पड़ने वाले प्रभाव से सम्बन्धित आँकड़ों का विवेचन प्रस्तुत किया गया है। औद्योगिकीकरण से सम्बन्धित आंकडों को सरल व व्यवस्थित तथा तुलनात्मक रूप में समझाया गया है। साथ ही नगरीय विकास से सम्बन्धित समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उनका अध्ययन कर उचित समाधान भी बताया गया है। औद्योगिकीकरण एवं नगरीयकरण का देश के आर्थिक विकास में योगदान पर भी प्रकाश डाला गया है। निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि औद्योगिक नगरी भिवाडी में लगातार औद्योगिक विकास हो रहा है एवं उसके कारण आधारभूत सुविधाओं में वृद्धि के साथ–साथ लोगों के जीवन स्तर पर में भी सुधार हो रहा है।

In considering the various aspects related to industries, the data presented in the presentation paper related to the impact of industrialization on the infrastructure. Statistics related to industrialization have been explained in a simple and systematic and comparative manner. Besides, keeping in mind the problems related to urban development, studying them and giving them the proper solution. The contribution of industrialization and urbanization to the economic development of the country has also been highlighted. In conclusion, it can be said that there is continuous industrial development in the industrial city of Bhiwadi and due to this, along with the increase in basic facilities, the standard of living of the people is also improving.

मुख्य शब्द : औद्योगिक विकास, औद्योगिक वृद्धि, शहरीकरण, जिला उद्योग केन्द्र, रीको।

Industrial Development, Industrial Growth, Urbanization, District Industries Center, Rico.

प्रस्तावना

अलवर को राज्य का ऐसा प्रथम जिला होने का गौरव प्राप्त हुआ है जहाँ दो जिला उद्योग क्रमशः अलवर व भिवाड़ी कार्यरत है। इसी आधार पर स्पष्ट है कि अलवर जिले को दो औद्योगिक क्षेत्रों में बाँटा गया है–

1. अलवर औद्योगिक क्षेत्र
2. भिवाडी औद्योगिक क्षेत्र

यहाँ पर जिला उद्योग केन्द्र, भिवाडी के क्षेत्राधिकार में क्रमशः तिजारा, नीमराना, कोटकासिम पंचायत समितियाँ तथा जिला उद्योग केन्द्र, अलवर के अन्तर्गत शेष 11 पचांयत समितियाँ क्रमशः उमरैण, रामगढ़, कठूमर, लक्ष्मणगढ़, राजगढ़, रैणी, बहरोड, मुण्डावर, बानसूर, किशनगढ़ व थानागाजी आती हैं।

अध्ययन का उद्देश्य

इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य राजस्थान की औद्योगिक नगरी भिवाडी में औद्योगिक एवं नगरीय विकास की प्रवृत्ति एवं इसके आधारभूत ढांचे पर पड़ने वाले प्रभाव को जानना है।

अन्य उद्देश्य निम्न हैं :–

1. भिवाडी में औद्योगिक विकास की कार्य प्रणाली का अध्ययन।
2. औद्योगिकीकरण से सम्बन्धित संस्थाओं का अध्ययन।
3. औद्योगिक प्रबन्धन का अध्ययन।
4. औद्योगिक क्षेत्र में नगरीय क्षेत्र का अध्ययन।

5. औद्योगिकीकरण की समस्याओं एवं उनके समाधान का अध्ययन।

भिवाडी में औद्योगिक विकास परिदृश्य

रीको द्वारा विकसित भिवाडी औद्योगिक क्षेत्र की शुरूआत 1976 में हुई जो राजस्थान के बिल्कुल उत्तरी–पूर्वी किनारे पर स्थित एक अनजाना भिवाडी गांव था। वर्तमान में यह न केवल भारत में बल्कि विश्व में भी अपनी पहचान बना चुका है। 1976 में इसकी शुरूआत 130 एकड़ भूमि के साथ हुई जो वर्तमान में 5300 एकड तक पहुंच गई है। इस क्षेत्र की मांग के अनुसार रीको ने 1200 एकड भूमि का और अधिग्रहण किया है तथा आने वाले समय में 2000 एकड भूमि के अधिग्रहण की तैयारी कर ली है जिससे यहाँ यह कुल लगभग 8500 एकड तक पहुंच जायेगी।

यह औद्योगिक क्षेत्र राजस्थान की उत्तरी–पूर्वी सीमा पर अलवर जिले तथा दिल्ली–जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग नं. 8 के पास स्थित है।

यह राजस्थान का दिल्ली के सबसे पास का बिन्दु है जिसे राजस्थान का गेट–वे भी कह सकते हैं तथा दिल्ली के उद्यमियों के लिए एक अनुकूल औद्योगिक क्षेत्र है। इस औद्योगिक क्षेत्र में पांच फेज है तथा इसके पास टपूकडा, चौपानकी शेरजुर्द खुशखेडा, पथरेडी आदि औद्योगिक क्षेत्र स्थित हैं।

भिवाडी औद्योगिक क्षेत्र के तेजी से विकसित होने के निम्नलिखित कारण हैं :–

1. दिल्ली जैसा बडा बाजार बहुत नजदीक स्थित है।
2. अच्छी आधारभूत सुविधाऐं जो रीको द्वारा विकसित की गयी हैं।
3. गुडगांव, दिल्ली, मानसेर की तुलना में सस्ती भूमि उपलब्ध है।
4. बिना किसी समस्या के सस्ता श्रम उपलब्ध है।

भिवाडी औद्योगिक क्षेत्र राजस्थान का मुख्य औद्योगिक क्षेत्र है। यह ऐसे उद्यमियों के लिए एक प्राकृतिक मंजिल है, जो अपने उद्योग दिल्ली–नोएडा जैसे मंहगे एवं सघन क्षेत्र से दूर परन्तु एनसीआर क्षेत्र में लगाना चाहते हैं। समय के साथ भिवाडी औद्योगिक क्षेत्र आवश्यक आधारभूतीय सुविधाओं के साथ आधुनिक औद्योगिक कस्बे में परिर्तित हो गया है।

यह औद्योगिक क्षेत्र ऑटो एन्सीलरीज एवं धातु उद्योग से शुरू हुआ जिसमें जल्दी ही फार्मास्युटिकल, वायर्स एंड केबलस, इलेक्ट्रहीकल एंड इंजिनियरिंग, फुटवियर, एवं कैमिकल कंपनियों ने भी प्रवेश किया।

बहुराष्ट्रीय कंपनी–जिलेट, रेबन, बॉच एंड लॉम्ब आदि भी स्थापित हुई। 2007 में सेल कार एवं ओरियंट क्राफ्ट लि0 (भारत की सबसे बडी रेडिमेड गारमेन्ट निर्यातक कंपनी) को भी इस औद्योगिक क्षेत्र में भूमि आवंटित की गयी है।

भिवाडी औद्योगिक क्षेत्र में मुख्य लक्षण

1. 70,000 से अधिक व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रोजगार।
2. 80,000 से अधिक व्यक्तियों को अप्रत्यक्ष रोजगार।
3. 1000 करोड से अधिक निर्यात
4. आई.सी.डी. भिवाडी में 2006–07 में 218.6 करोड का निर्यात था।
5. पूर्ण विकसित सड़क मार्ग।

रीको औद्योगिक क्षेत्र–भिवाडी

क्र. सं.	औद्योगिक क्षेत्र का नाम	क्षेत्र (एकड)	नियोजित प्लॉट	आवंटित प्लॉट	उत्पादित इकाई	निर्माणधीन इकाई	प्रमुख उद्योग
1	भिवाडी (Phase-I-V)	2138	1701	1690	860	60	जिलेट इंडिया, रेयाबान, बुच एंड लोमब, लॉयड इलेक्ट्रिक एंड इंजि. , हाईटेक गियर, बालकृष्ण टायर, केईआई इंड., कामधेनु इस्पात, जकूर एंड कं., अजन्ता सोया, एमटेक ऑटो, केचकेट फार्मा, वेनक्योर ड्रग
2	चौपानकी	498	1050	1013	74	25	टाटा क्लयूस्कोप स्टील लि., केपरो फास्टनर्स, के.ई.आई. इंसेक्टिसाइड इंडिया लि., बजय ओवरसिज, यूनाईटेड ब्रबरिज, वरूण ब्रबरीज, ग्लेमरूम टेप
3	पथरेडी	538	115	75	00	05	ओरियंट क्राफ्ट लि., कोर्डस केबल्स, केईआई इंड. लि., जेम्स्केब इंडिया, श्री राम पिस्टन, टीपीएस इन्फा.
4	खुशखेडा	660	961	892	54	27	राठी बार, पैरामाउन्ट ववायर – केबल्स, कुंदन एडिबल ऑयल प्रोडक्ट्स, राठी स्पेशल स्टील, सुप्रीम इंडस्ट्रीज, पारस फेब इंटरनेशनल

5	आईआईडी खुशखेडा	95	413	390	04	10	अग्रवाल सेल कार 450 एकड मं आवंटित एवं इसके 150 एकड सप्लायर्स को आवंटित
6	टपूकडा	781	22	08	00	02	होण्डा सेल कार 450 एकड में आवंटित एवं इसके 150 एकड सप्लायर्स को आवंटित
7	शेरखुर्द	76	55	55	01	01	विन्सम ब्रेबरिज
	कुल	4786	4317	4123		130	

मुख्य औद्योगिक इकाईयों की सूची, भिवाडी

1. बहुराष्ट्रीय कंपनी		
क्रमांक	**इकाई का नाम**	**उत्पाद**
1	मैसर्स क्लाइमेट सिस्टम इंडिया लि.	रेडियेटर
2	मैसर्स रेबॉन सन ऑप्टिक इंडिया लि.	स्न ग्लास
3	मैसर्स फेडरल मोघुल	स्पार्क प्लग
4	मैसर्स जिलेट इंडिया लि.	सेविंग उत्पाद
5	मैसर्स इन्डेग लि.	रिट्रेडिंग रबर

2. वृहद् औद्योगिक इकाईयाँ		
1	मैसर्स अक्श ऑप्टीफाइबर लि.	ऑप्टिक्ल फाइबर
2	मैसर्स डलस बायोटेक	बायो टेक
3	मैसर्स हाई–टेक गियर लि.	ऑटो गियर
4	मैसर्स सकाटा इंक लि.	सिक्योरिटी इंक
5	मैसर्स रिलेक्सो फुटवियर	फुटवियर
6	मैसर्स एमटेक इंडिया लि.	ऑटो पार्टस
7	मैसर्स ओरियंट सिन्टेक्स लि.	यार्न
8	मैसर्स इस्पात लि.	ऑटोमोटिव टायर
9	मैसर्स कामधेनु इस्पात लि.	टोर स्टील
10	मैसर्स एलकोन पेरेन्ट्रेल	फार्मास्युटिकल
11	मैसर्स गुलशन केमिकल्स (प्रा.) लि.	रसायन
12	मैसर्स मेडिका मान बायोटेक लि.	फार्मास्युटिकल
13	मैसर्स केईआई इंडस्ट्रीज	पावर केबल
14	मैसर्स लखानी फुटवियर (प्रा.) लि.	फुटवियर
15	मैसर्स हटकेयर टेक्नालॉली (प्रा.) लि.	चिकित्सा उपकरण
16	मैसर्स केपिटल इस्पात लि.	स्टील
17	मैसर्स महावीर एल्युमीनियम लि.	एल्यूमिनियम
18	तौरस इंडिया	उद्यान उपकरण
19	अग्रवाल मेटल्स	तांबा/ब्रास आयरन
20	नार्मा इस्पात	लोहा/स्टील
21	मार्क बाथ लि.	बाथ फिटिंग
22	जैक्यूर लि.	बाथ फिटिंग

भिवाडी में नगरीय विकास परिदृश्य

भिवाडी एवं उसके आसपास क्षेत्रों में नये–नये उद्योगों की स्थापना के तहत यहाँ आधारभूत आवश्यकताओं की भी स्थापना होती गयी। भिवाड़ी जो पहले एक अपरिचित गांव था, ने भारत स्तर पर ही नहीं विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना ली। यहां औद्योगिक विकास के कारण विभिन्न क्षेत्रों यथा–शिक्षा, आवास, बिजली, दूर–संचार, मेडिकल, मनोरंजन आदि में वृद्धि हुई और वर्तमान में भी जारी है जिसे विभिन्न बिन्दुओं से समझा जा सकता है।

शिक्षा

उद्योगों में काम करने वाले व्यक्तियों के बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था के लिए समय–समय पर आवश्यतानुसार विद्यालयों की स्थापना हुई। वर्तमान में शिक्षा के महत्व को देखते हुए विद्यालयों के साथ–साथ

प्रशिक्षण संस्थान, महाविद्यालयों आदि भी स्थापित किये जा रहे हैं।

विद्यालय

उच्च माध्यमिक

राजकीय सीनियर सैकेण्डरी विद्यालय, मॉडर्न एकेडमी, सेन्ट जेवियर, प्रेसीडेन्सी इंटरनेशनल स्कूल, टैगोर पब्लिक स्कूल, मॉडर्न पब्लिक स्कूल, ज्योति सीनियर सैकेण्डरी स्कूल।

माध्यमिक

राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय, नवीन माध्यमिक विद्यालय, यूरोपिया कॉल सत्संगीय किस्म मैमोरियल पब्लिक स्कूल, आदर्श विद्या मंदिर, लिपिन पब्लिक स्कूल।

प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक

क्वान्टम पब्लिक स्कूल, भारत मॉडल पब्लिक स्कूल, कृष्णा पब्लिक स्कूल, सनहिल पब्लिक स्कूल, रविन्द्र पब्लिक स्कूल, सिटी कान्वेन्ट स्कूल।

महाविद्यालय

बाबा मोहन राम महाविद्यालय।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, लार्ड्स, इंटरनेशनल औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान।

चिकित्सा

राजकीय चिकित्सालय, सरोज नर्सिंग होम, राहत नर्सिंग होम, शकुलन्ता नर्सिंग होम, विनायक नर्सिंग होम, सिटी नर्सिग होम, राजस्थान नर्सिग होम, गोपीनाथ नर्सिग होम, लाइफ केयर नर्सिग होम, ई.एस.आई. हॉस्पीटल– मेडिकल सोप संख्या–लगभग 25

विभाग

जिला उद्योग केन्द्र, राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम (रीको), राजस्थान वित्त निगम, सहायक आयुक्त (वाणिज्य कर विभाग), अतिरिक्त पुलिस/उपअधीक्षक, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क विभाग, इंस्पेक्टर फैक्ट्रीज एण्ड बॉयलर डिपार्टमेन्ट, नेशनल स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन, पुलिस स्टेशन, राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड, यू.आई.टी.,

मनोरंजन

सिनेमा घर	**क्षमता**
1. रामफल	630
2. सूरज	500
3. मनोरमा	300
4. गणपति	450
5. आर.सी. सिनेमा	400

आवास

यहां पर विकास की तीव्र गति को देखते हुए विभिन्न बिल्डर्स ने अपने–अपने अपार्टमेन्ट्स बनाकर लोगों के आवास को सुविधा उपलब्ध करायी जिनमें प्रमुख हैं :– आशियाना ग्रीन, आशियाना गार्डन, आशियाना विलेज, आशियाना उत्सव, आशियाना बगीचा, गुलमोहर, अरावली

प्रस्तावित

कजारिया ग्रीन, पीयूष सिटी, एमटेक सिटी, एम. बी.एल., भास्कर, ब्लू स्काई ।

बैंक

इस औद्योगिक क्षेत्र में पूंजी की लेन–देन व आर्थिक पक्ष के तहत विभिन्न बैंकों की शाखाऐं स्थापित हो गई हैं–

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर, बैंक ऑफ बडौदा, पंजाब नेशनल बैंक, एच. डी.एफ.सी. बैंक, आई.सी.आई.सी.आई. बैंक, ओरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स, यस बैंक, कारपोरेशन बैंक, एक्सिस (यू.टी. आई.) बैंक, सिंडिकेट बैंक, इलाहाबाद बैंक, केनरा बैंक

गैस एजेन्सी

एन.सी.आर. गैस एजेन्सी

इन्डेन गैस एजेन्सी

दूर संचार

वर्तमान युग तकनीकी का युग है। इसके अंतर्गत दूर संचार ने बहुत अधिक विकास किया है एवं लगभग सभी जगहों पर आज दूर–संचार की सेवाऐं उपलब्ध हैं। इसी तकनीकी के कारण इस औद्योगिक क्षेत्र में भी दूर संचार की लगभग सभी कंपनियों की सेवाऐं वर्तमान में उपलब्ध है :–

भारत संचार निगम लिमिटेड–कार्यालय, रेनबो दूर संचार सेवा–कार्यालय, रिलायंस–फ्रेंचाइजी, आइडिया–फ्रंचाइजी, एयरटेल–फ्रेंचाइजी, टाटा इंडिकोम–फ्रेचंचाइजी, वोडाफोन–फ्रेंचाइजी

पैट्रोल पंप

इस औद्योगिक क्षेत्र में एकमात्र भिवाड़ी पैट्रोल पम्प स्थित है। क्योंकि यह औद्योगिक क्षेत्र हरियाणा से सटा हुआ है तथा हरियाणा में पेट्रोल राजस्थान की तुलना में सस्ता है अतः हरियाणा में पैट्रोल पम्पों की संख्या अधिक है जिनसे इस औद्योगिक क्षेत्र के निवासी भी सेवाऐं लेते हैं।

आधारभूत सुविधाऐं

आधार सुविधाओं में प्रमुख रुप से चिकित्सा, परिवहन, सड़क, बिजली, पानी आदि को सम्मलित किया जाता है।

बिजली (विद्युत)

प्रमुख इकाईयां निम्न हैं :–

1. 400 के.वी. स्टेशन– $2 \times 315 = 630$ एम.वी.ए.
2. 220 के.वी. स्टेशन $3 \times 100 = 300$ एम.वी.ए.
3. 132 के.वी. 2– स्टेशन– 150 एम.वी.ए.
4. 33 के.वी. स्टेशन– 8.15 एम.वी.ए.

इस क्षेत्र में विद्युत का उपभोग 8 करोड़ यूनिट प्रति माह है।

परिवहन

1. इस क्षेत्र में परिवहन की स्थिति अधिक अच्छी नहीं है। हालांकि यह क्षेत्र दिल्ली–जयपुर हाइवे के पास है परन्तु परिवहन विकास कम है। वर्तमान में इस ओर तेजी से ध्यान दिया जा रहा है तथा नये बस स्टैण्ड (10000 वर्ग मी0 क्षेत्र में विस्तृत) का निर्माण चल रहा है। यहां से अब अलवर, दिल्ली, सोहना, पलवन, गुडगांवा आदि जगहों पर सुगमता से पहुंचा जा सकता है। यहां पर चौडी–चौडी सडकें, सड़कों पर रोड लाइट आदि की व्यवस्था है। सड़कों पर

यातायात बत्तीयों ने भी कार्य करना शुरू कर दिया है जिससे परिवहन की स्थिति और भी अधिक सरल हो गयी।

2. इस क्षेत्र में पानी की सप्लाई को सुचारू एवं व्यस्थित बनाये रखने के लिए रीको (RIICO) द्वारा दी गई है।

जनसंख्या एवं जीवन स्तर में वृद्धि

इस औद्योगिक क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विकास के कारण लोगों के रहन–सहन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है, जो लोग पहले ग्रामीण स्तर से जीवन यापन कर रहे थे अब वे शहरी सुविधाओं का उपयोग कर रहे हैं। यहां पर भूमि की कीमतों में वृद्धि होने से स्थानीय किसानों को अत्यधिक फायदा पहुंचा है। यहां रीको द्वारा वृद्धि होने से स्थानीय किसानों को अत्यधिक फायदा पहुंचा है। यहां रीकों द्वारा वर्तमान में भूमि की कीमत 25–50 लाख प्रति बीघा है।

जीवन स्तर में वृद्धि के साथ यहां विभिन्न संस्कृतियों के कर्मचारी एवं श्रमिक रहते हैं जिससे यहां अनेकता में एकता दिखाई देती है।

नगर	जनसंख्या 1991	जनसंख्या 2001	जनसंख्या 2011
भिवाड़ी	15285	33877	104921

भिवाड़ी शहर जनसंख्या 2011

भिवाडी शहर	कुल	पुरुष	महिला
जनसंख्या	104921	59712	45209
साक्षर	70120	44054	26066
बच्चे (0–6)	17092	9191	7901
औसत साक्षरता (%)	79.84	87.20	69.87
लिंगानुपात	757		
बच्चों का लिंगानुपात	860		

अन्य सुविधाऐं

होटल

रीको हिल टॉप, सिटी पैलेस, आम्रपाली, रॉयल पैलेस, रीजेन्सी, पहल

बाजार

सेन्ट्रल मार्केट, ढाबा कॉम्प्लेक्स, फूलबाग

मॉल्स

बी.बी. मॉल, कैपिटल मॉल, पार्श्वनाथ मॉल

एसोसियेशन (अधिकार की रक्षा)

1. बी.एम.ए. (भिवाडी मैनुफैक्चरिंग एसोसियेशन, अध्यक्ष– ओ.पी. अग्रवाल)
2. बी.सी.सी.आई. (भिवाड़ी चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री, अध्यक्ष– रामनारायण चौधरी)

इनके अतिरिक्त यहां मैरिज होम, ब्यूटी पार्लर, बुटिक, हैल्थ केयर सेन्टर, सब्जी मंडी (फूलबाग, समतल रोड) आदि भी अपनी सेवाऐं प्रदान कर रहे हैं।

औद्योगिक व नगरीय विकास का पर्यावरणीय प्रभाव

सकारात्मक नगरीय प्रभाव के साथ–साथ कुछ नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव भी देखने को मिलते हैं जो कि निम्न हैं–

1. समुचित जल वितरण व्यवस्था का अभाव
2. औद्योगिक प्रदूषित पानी एवं बरसात के पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होना।
3. ऐलीवेटेड रोड अथवा अन्य लिंक रोड का अभाव (राजस्थान–हरियाणा राज्य सीमा पर)
4. भिवाडी क्षेत्र की पहाडियों में अवैध खनन कार्य।
5. भिवाड़ी में सब्जी मंडी हेतु उचित स्थान का अभाव
6. हरियाणा सरकार द्वारा स्वीकृत मास्टर प्लान/सैक्टर प्लान की सड़कों का अधूरा निर्माण कार्य।

निष्कर्ष

भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र राजस्थान का मुख्य औद्योगिक क्षेत्र है। यह ऐसे उद्यमियों के लिए एक प्राकृतिक मंजिल है जो अपने उद्योग दिल्ली, नोएडा जैसे मंहगे एवं सघन क्षेत्र से दूर परन्तु एनसीआर क्षेत्र में लगाना चाहते हैं। समय के साथ भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र आवश्यक आधारभूतीय सुविधाओं के साथ आधुनिक औद्योगिक नगर में परिवर्तित हो रहा है।

इस औद्योगिक क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विकास के कारण लोगों के रहन सहन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है, जो लोग पहले ग्रामीण स्तर से जीवनयापन कर रहे थे अब वे शहरी सुविधाओं का उपयोग कर रहे हैं। यहाँ पर विकास की तीव्र गति को देखते हुए विभिन्न बिल्डर्स ने अपने अपने अपार्टमेन्ट बनाकर लोगों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराकर इस क्षेत्र की नगरीकरण वृद्धि को तीव्र गति प्रदान की है ।

भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र एवं इसके आसपास के क्षेत्रों में नये–नये उद्योगों की स्थापना के तहत यहाँ आधारभूत सुविधायें जैसे शिक्षा, आवास, दूर संचार, मेडिकल, मनोरंजन, सड़क, पानी आदि में वृद्धि हुयी जो एक नगर की विशेषताओं को स्पष्ट करते हैं।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. *जिला दर्शन (2008) उदयीमान राजस्थान सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, अलवर*
2. *भल्ला, एल.आर. (2002), राजस्थान का भूगोल, कुलदीप पब्लिशिंग हाउस, जयपुर*
3. *सक्सेना, एच.एम. (2005) राजस्थान का भूगोल, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर*
4. *रीकोः द इन्डस्ट्रीयल कैटालिस्ट (2010)*
5. *औद्योगिक विकास हेतु राज्य सरकार द्वारा कृत प्रयास (2000), उद्योग निदेशालय, जयपुर*
6. *कपूर, टी.एन. (2000), भारत के राज्यों में औद्योगिक विकास, वृन्दा प्रकाशन, नई दिल्ली।*
7. *बघेल, डी.एम. (2004), औद्योगिक समाजशास्त्र, विवेक प्रकाशन, नई दिल्ली।*
8. *आर्थिक समीक्षा (2011–12), भारत सरकार, नई दिल्ली।*
9. *आर्थिक समीक्षा (2011–12), राजस्थान सरकार, जयपुर।*
10. *राजस्थान फाइनेन्शियल कॉपरेशन– दा इंडस्ट्रीयल कैटालिस्ट (2010)।*